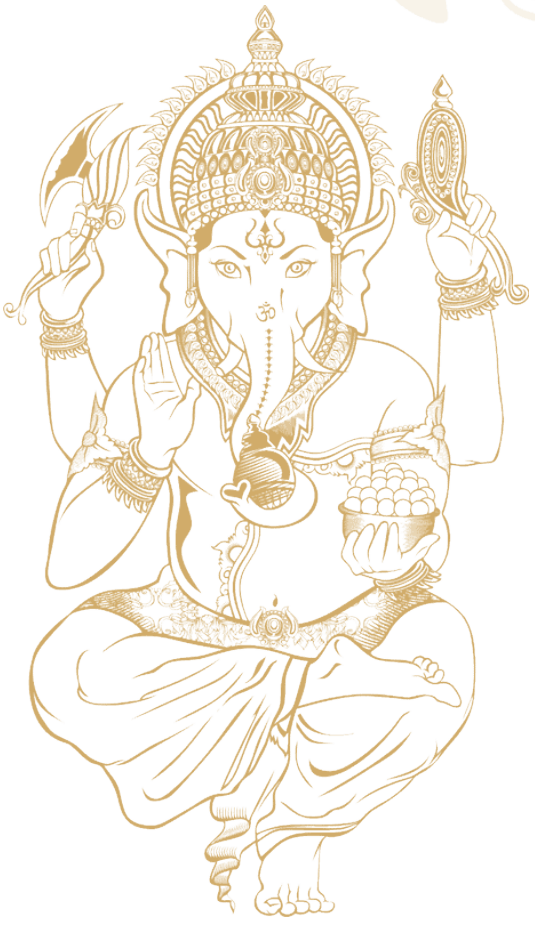

Seema

08 Feb 2004

10:15 PM

Ratangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121402902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/02/2004**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:15:00 घंटे**
इष्ट	37:26:06 घटी
स्थान	**Ratangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:55:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:43:24 घंटे
वेलान्तर	-00:14:11 घंटे
साम्पातिक काल	06:55:58 घंटे
सूर्योदय	07:16:33 घंटे
सूर्यास्त	18:15:18 घंटे
दिनमान	10:58:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:20:40 मकर
लग्न के अंश	18:22:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	18:22:26	316:14:35	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
सूर्य			मक	25:20:40	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	23:32:14	13:20:00	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	09:26:42	00:38:12	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			मक	08:23:09	01:31:28	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	23:01:51	00:06:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	06:06:31	01:10:54	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	13:05:21	00:02:58	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	21:17:08	00:10:14	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:17:08	00:10:14	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:06:24	00:03:23	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:11:43	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:47:00	00:01:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	18:57:45	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:41

लग्न-चलित

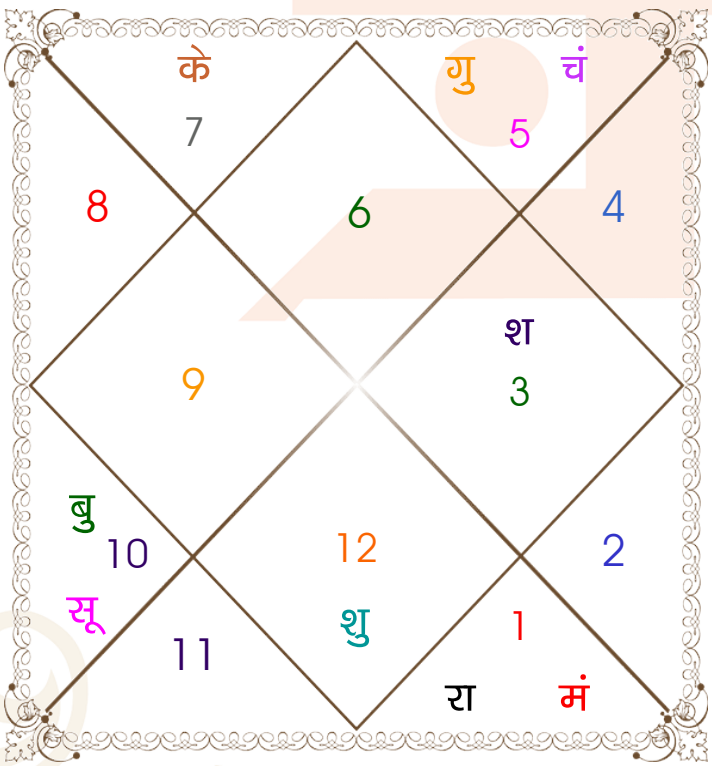

चन्द्र कुंडली

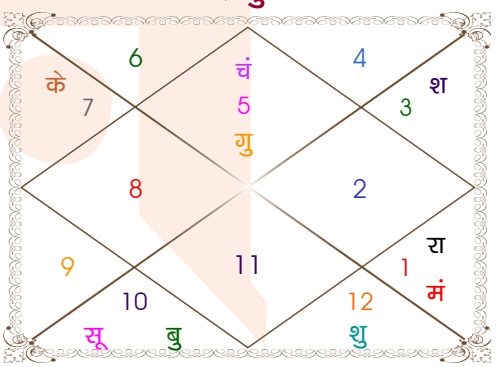

नवमांश कुंडली

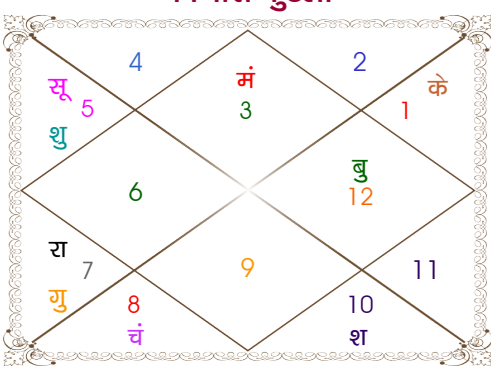

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 8 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/02/2004		19/10/2008		20/10/2014		19/10/2024		20/10/2031	
19/10/2008		20/10/2014		19/10/2024		20/10/2031		19/10/2049	
	00/00/0000	सूर्य	06/02/2009	चंद्र	20/08/2015	मंगल	17/03/2025	राहु	02/07/2034
	00/00/0000	चंद्र	07/08/2009	मंगल	20/03/2016	राहु	05/04/2026	गुरु	25/11/2036
	00/00/0000	मंगल	13/12/2009	राहु	19/09/2017	गुरु	12/03/2027	शनि	01/10/2039
	00/00/0000	राहु	07/11/2010	गुरु	19/01/2019	शनि	19/04/2028	बुध	20/04/2042
	00/00/0000	गुरु	26/08/2011	शनि	19/08/2020	बुध	17/04/2029	केतु	08/05/2043
	08/02/2004	शनि	07/08/2012	बुध	19/01/2022	केतु	13/09/2029	शुक्र	08/05/2046
शनि	19/10/2004	बुध	13/06/2013	केतु	20/08/2022	शुक्र	13/11/2030	सूर्य	02/04/2047
बुध	20/08/2007	केतु	19/10/2013	शुक्र	19/04/2024	सूर्य	21/03/2031	चंद्र	01/10/2048
केतु	19/10/2008	शुक्र	20/10/2014	सूर्य	19/10/2024	चंद्र	20/10/2031	मंगल	19/10/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/10/2049		19/10/2065		19/10/2084		20/10/2101		20/10/2108	
19/10/2065		19/10/2084		20/10/2101		20/10/2108		00/00/0000	
गुरु	07/12/2051	शनि	22/10/2068	बुध	18/03/2087	केतु	18/03/2102	शुक्र	20/02/2112
शनि	20/06/2054	बुध	02/07/2071	केतु	14/03/2088	शुक्र	19/05/2103	सूर्य	19/02/2113
बुध	25/09/2056	केतु	10/08/2072	शुक्र	13/01/2091	सूर्य	23/09/2103	चंद्र	21/10/2114
केतु	01/09/2057	शुक्र	11/10/2075	सूर्य	19/11/2091	चंद्र	23/04/2104	मंगल	21/12/2115
शुक्र	02/05/2060	सूर्य	22/09/2076	चंद्र	20/04/2093	मंगल	20/09/2104	राहु	20/12/2118
सूर्य	18/02/2061	चंद्र	23/04/2078	मंगल	17/04/2094	राहु	08/10/2105	गुरु	20/08/2121
चंद्र	20/06/2062	मंगल	02/06/2079	राहु	03/11/2096	गुरु	14/09/2106	शनि	09/02/2124
मंगल	27/05/2063	राहु	08/04/2082	गुरु	09/02/2099	शनि	24/10/2107		00/00/0000
राहु	19/10/2065	गुरु	19/10/2084	शनि	20/10/2101	बुध	20/10/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।